साहित्योत्सव में हुआ 'अगाड़ी' कहानी का वाचन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 मार्च।

दिल्ली–बीकानेर साहित्य अकादेमी के सात दिवसीय साहित्योत्सव के तहत मंगलवार को कहानी 'अगाड़ी' का वाचन किया गया। जहां पूर्वोत्तरी कार्यक्रम में हिंदी–राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार कवि – कथाकार राजेंद्र जोशी ने राजस्थानी कहानी 'अगाड़ी' का वाचन किया।

साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने बताया कि उत्तर–पूर्वी और उत्तर लेखक सम्मेलन के इस सत्र में राजस्थानी कहानी के साथ बांग्ला, हिंदी एवं पंजाबी कहानियां पढ़ी गई। सत्र की अध्यक्षता मणिपुर भाषा परामर्श मंडल के संयोजक एन.किरण कुमार ने की।

एन.किरण कुमार ने कहा कि 'अगाड़ी' कहानी नारी मन की गहरी पड़ताल करती है, जोशी की अभिव्यंजना की दृष्टि का ही कमाल है कि 'अगाड़ी' के माध्यम युगों से थमी हुई थीम नए रूप में प्रस्तुत हुई है। उन्होंने कहा कि 'अगाड़ी' कहानी का कथ्य और भाषा में ठेठ मुहावरा रचा हुआ है, जिससे 'अगाड़ी' राजस्थानी की उल्लेखनीय कहानी बन पड़ी है।

परंपरागत राजस्थानी समाज में बदलाव मामूली बात नहीं है जिसकी पहचान व अंकन कहानीकार की बड़ी सफलता मानी जा सकती है। कार्यक्रम में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य, कैलाश पुरोहित, अशोक गुप्ता सहित देश के अनेक साहित्यकार उपस्थित थे। संचालन कवि कुमार अनुपम ने किया।